चिकित्सीय
आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए
कृपया 112 पर डायल करें।

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

बिजली चली गयी
1800–345–1111

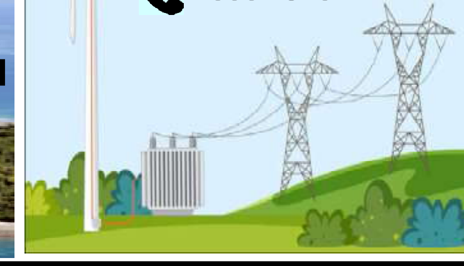

रजि.न.34300/80 | संख्या 212 | श्री विजय पुरम, शनिवार , 08 अगस्त 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रुपए

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दो दिवसीय दौरे पर आज पहुंचेंगे

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन कल (8 अगस्त) अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचेंगे। आगमन के उपरांत माननीय उपराष्ट्रपति सायंकाल राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल का दौरा करेंगे तथा वहां स्थित शहीद स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित करेंगे। वे 'स्वतंत्र ज्योति' पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा 'वीर सावरकर सेल' का अवलोकन कर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। माननीय उपराष्ट्रपति राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल परिसर स्थित केंद्रीय टॉवर, वर्कशेड, फांसीघर तथा संग्रहालय–प्रदर्शनी दीर्घा का भी अवलोकन करेंगे। इसके उपरांत वे राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल में लाइट एंड साउंड शो भी देखेंगे।

यहां प्राप्त अण्डमान तथा निकोबार सचिवालय की प्रोटोकॉल इकाई की आधिकारिक सूचना के अनुसार, निर्धारित कार्यक्रम के तहत 9 अगस्त को माननीय उपराष्ट्रपति श्री विजय पुरम स्थित फ्लैग प्वाइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' में भाग लेंगे। इसके पश्चात वे डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह 'वंदे मातरम् तिरंगा कॉन्सर्ट' में सम्मिलित होंगे। माननीय उपराष्ट्रपति सभागार परिसर में आयोजित 'हर घर तिरंगा प्रदर्शनी' का भी अवलोकन करेंगे। इस समारोह में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल एवं द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.) भी उपस्थित रहेंगे।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन

शाम में माननीय उपराष्ट्रपति नेताजी सुभाष चंद्र बोस (एनएससीबी) द्वीप का दौरा करेंगे, जहां उन्हें एनएससीबी द्वीप तथा उसके प्रस्तावित भावी विकास योजनाओं के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

दौरा सम्पन्न होने के उपरांत माननीय उपराष्ट्रपति 9 अगस्त की सायंकाल नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

ज़िलाधीश का कार्यालय
दक्षिण अण्डमान ज़िला
श्री विजय पुरम

आदेश संख्या : 887

चूंकि, दक्षिण अण्डमान ज़िला के पुलिस अधीक्षक से भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के 08.08.2026 एवं 09.08.2026 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के निर्धारित दौरे के संबंध में एक सूचना प्राप्त हुई है, जिसके दौरान उनका दक्षिण अण्डमान ज़िला के अंतर्गत श्री विजय पुरम स्थित विभिन्न स्थानों का भ्रमण निर्धारित है।

और चूंकि, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के दौरे के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था किया जाना आवश्यक है तथा महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, अति विशिष्ट व्यक्ति (वीवीआईपी) के ठहरने के स्थान एवं भ्रमण स्थलों के आसपास दूर से संचालित विमान प्रणाली (आरपीएएस)/ड्रोन तथा अन्य हवाई गतिविधियों का संचालन सुरक्षा एवं जन–सुरक्षा के लिए संभावित खतरा उत्पन्न कर सकता है।

और चूंकि, मैं, पूर्वा गर्ग, आईएएस, ज़िलाधीश, दक्षिण अण्डमान ज़िला, इस बात से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त दौरे के दौरान लोक व्यवस्था बनाए रखने तथा वीवीआईपी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के अंतर्गत तत्काल निवारक उपाय किए जाने के पर्याप्त आधार विद्यमान हैं।

अतः, इसलिए, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के अंतर्गत मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, पूर्वा गर्ग, आईएएस, ज़िलाधीश, दक्षिण अण्डमान ज़िला, निम्नलिखित आदेश जारी करती हूं:–

1. निम्नलिखित स्थानों एवं उनके आसपास सभी प्रकार की दूर से संचालित विमान प्रणाली (आरपीएएस)/ड्रोन, मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) तथा अन्य समान प्रकार के हवाई प्लेटफॉर्म के उड़ान, संचालन अथवा उपयोग, साथ ही सभी प्रकार की पैराजंपिंग/पैराग्लाइडिंग तथा अन्य हवाई मनोरंजक गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित की जाती हैं:–
   - वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय (वीएसआई) हवाई अड्डा
   - डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट)
   - राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल
   - फ्लैग प्वाइंट
   - नेताजी सुभाष चंद्र बोस (एनएससीबी) द्वीप।
2. यह प्रतिबंध 08.08.2026 से 09.08.2026 तक (दोनों दिन सहित) अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा।
3. इस आदेश का उल्लंघन करते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नागरिक उड्डयन तथा मानवरहित विमान संचालन से संबंधित अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत भी कार्रवाई की जाएगी।
4. मामले की अत्यावश्यक प्रकृति तथा तत्काल निवारक कार्रवाई की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए यह आदेश एकपक्षीय (एक्स–पार्टी) रूप से जारी किया जाता है तथा तत्काल प्रभाव से लागू होगा।
5. इस आदेश की प्रतियां दक्षिण अण्डमान ज़िले के ज़िलाधीश कार्यालय एवं श्री विजय पुरम स्थित ज़िला न्यायालय के सूचना पट्ट पर चस्पा कर प्रकाशित की जाएंगी। साथ ही, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय तथा ज़िले में प्रसारित होने वाले स्थानीय समाचार–पत्रों के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुहर सहित 7 अगस्त, 2026 को जारी।

ज़िलाधीश
दक्षिण अण्डमान ज़िला
फाइल संख्या : 2–26/2025–आर/टीएसडी/डीसी(एसए)

फीनिक्स बे से संचालित सभी हार्बर फेरी सेवाएं रविवार को दोपहर 12.30 बजे से शाम 6 बजे तक रहेंगी स्थगित

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

सभी यात्रियों एवं आमजन को सूचित किया गया है कि प्रशासनिक कारणों से 9 अगस्त, 2026 को दोपहर 12.30 बजे से शाम 6 बजे तक फीनिक्स बे से संचालित सभी हार्बर फेरी सेवाएं स्थगित रहेंगी। हालांकि, इस अवधि के दौरान फीनिक्स बे और बम्बूफ्लाट के बीच आपातकालीन फेरी सेवा जारी रहेगी। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए निलंबन अवधि के दौरान इस मार्ग पर पूर्व निर्धारित समय–सारिणी के अतिरिक्त चाथम जेटी से बम्बूफ्लाट एवं होप टाउन के लिए अतिरिक्त यात्री फेरी सेवाएं संचालित की जाएंगी।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त मार्गों पर सभी फेरी सेवाएं रविवार 9 अगस्त, 2026 को शाम 6 बजे के बाद पुनः सामान्य रूप से संचालित होंगी। इसलिए डीएसएस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी यात्रियों एवं पर्यटकों को अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाने की सलाह दी गई है।

'वंदे मातरम् तिरंगा कॉन्सर्ट' का सीधा प्रसारण 9 अगस्त को

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

दूरदर्शन केन्द्र, श्री विजय पुरम द्वारा 9 अगस्त, 2026 को सुबह 9.50 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान से आयोजित राज्य स्तरीय समारोह 'वंदे मातरम् तिरंगा कॉन्सर्ट' का सीधा प्रसारण अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल '@ddksrivijayapuram' पर किया जाएगा। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस समारोह की शोभा भारत के माननीय उपराष्ट्रपति बढ़ाएंगे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 अगस्त को मनाया जाएगा

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

भारत सरकार एनीमिया मुक्त भारत तथा भारत के बच्चों के कृमि–मुक्त भविष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। कृमि संक्रमण बच्चों की पोषण स्थिति को प्रभावित करता है। पोषण में कमी का बच्चों की वृद्धि एवं शारीरिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। कृमि मानव शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों का उपभोग कर लेते हैं तथा रक्त की हानि, कुपोषण और अवरुद्ध शारीरिक वृद्धि का कारण बनते हैं। अधिक कृमि संक्रमण होने पर बच्चे प्रायः इतने अस्वस्थ या थके हुए रहते हैं कि वे विद्यालय अथवा आंगनवाड़ी में ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते या नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो पाते। कृमि संक्रमण बच्चों के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिसका दीर्घकालिक नकारात्मक असर पड़ सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि नियमित कृमिनाशन से विद्यालयों में अनुपस्थिति की दर कम होती है। देश में एनीमिया एवं उससे संबंधित बीमारियों के प्रमुख कारण आंतों के कृमियों के संक्रमण को कम करने के उद्देश्य से भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के समन्वय से पूरे देश में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों एवं किशोर–किशोरियों को विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से कृमिनाशक गोली दी जाती है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस–2026 (अगस्त चरण) का आयोजन 10 अगस्त, 2026 को किया जाएगा तथा इसके बाद 17 अगस्त, 2026 को मॉप–अप अभियान चलाया जाएगा। इस चरण के दौरान विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से एल्बेंडाज़ोल की गोली बच्चों को दी जाएगी। सभी अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके बच्चों को विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में एल्बेंडाज़ोल की गोली अवश्य दी जाए।

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में आमजन से भी अनुरोध किया गया है कि वे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस–2026 के अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं को पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार–प्रसार करें।

'अनिम्स' में विश्व स्तनपान सप्ताह–2026 मनाया गया

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के शिशु रोग विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त, 2026) का आयोजन इस वर्ष की वैश्विक थीम "जीवन की सतत एवं सुदृढ़ शुरुआत के लिए स्तनपान : जो प्रभावी है उसे और सशक्त बनाएं" के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन गतिविधियों के साथ किया गया।

सप्ताह भर चले इस आयोजन का उद्देश्य शिशुओं एवं छोटे बच्चों के लिए सर्वोत्तम पोषण संबंधी व्यवहार को बढ़ावा देना तथा शिशु के जीवन, पोषण और समुचित विकास के आधार के रूप में स्तनपान के महत्व को सुदृढ़ करना था।

इस अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के साथ–साथ आम जनता तक पहुंचने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्तनपान के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आकाशवाणी से एक जागरूकता वार्ता का प्रसारण किया गया। विद्यार्थियों ने स्तनपान के लाभों तथा इससे जुड़े सामान्य मिथकों एवं भ्रांतियों पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें जन्म के तुरंत बाद स्तनपान प्रारंभ करने, केवल स्तनपान कराने की पद्धति तथा स्तनपान से जुड़ी सामान्य समस्याओं के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रसवोत्तर माताओं, बाल वार्ड में भर्ती बच्चों की माताओं तथा आम जनता के लिए जागरूकता सत्र आयोजित कर सफल स्तनपान के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया।

इस दौरान बताया गया कि स्तनपान शिशुओं को संक्रमण

शेष पृष्ठ 4 पर

एसबीएम एम्बेस्डर ने किया बालक विद्यालय का दौरा

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता एवं साफ–सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करने के उद्देश्य से आज पद्मश्री से विभूषित एवं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के एम्बेस्डर श्री नरेश चंदर लाल ने राजकीय बालक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा जीडीएमएस, मिडिल प्वाइंट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से विद्यालय परिसर के साथ–साथ अपने–अपने आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री लाल ने विद्यार्थियों से स्वयं को स्वस्थ रखने तथा शरीर एवं मन को नुक़सान पहुंचाने वाले किसी भी प्रकार के नशे या अन्य हानिकारक पदार्थों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया, जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी से पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने तथा पुस्तकालय की सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने का भी आग्रह किया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री सुखुराजन इस दौरे के दौरान स्वच्छ भारत मिशन के एम्बेस्डर के साथ उपस्थित रहे।

नशा मुक्त अभियान के तहत डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम वॉलीबॉल प्रतियोगिता–2026 का भव्य समापन

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम पुरुष एवं महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता–2026 का आज श्री विजय पुरम स्थित लोकप्रिय मनमोहक कार्बाइंस कोव तट पर रोमांचक फाइनल मुकाबलों के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस प्रतियोगिता का आयोजन उपायुक्त (दक्षिण अण्डमान) तथा पुलिस अधीक्षक (दक्षिण अण्डमान) द्वारा समेकित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए), खेल एवं युवा कार्य निदेशालय, शिक्षा निदेशालय तथा माई भारत के सहयोग से किया गया। इस प्रतियोगिता में दक्षिण अण्डमान ज़िले के श्री विजय पुरम तहसील, फरारगंज तहसील, शहीद द्वीप, स्वराज द्वीप तथा लिटिल अण्डमान के गांवों एवं ग्राम पंचायतों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

भव्य फाइनल समारोह में दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त श्रीमती पूर्वा गर्ग, आईएएस, तथा दक्षिण अण्डमान की पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता के. सुगथन, आईपीएस, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने फाइनल मुकाबलों का अवलोकन किया तथा सभी प्रतिभागी टीमों द्वारा प्रदर्शित उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना की सराहना की।

पुरुष वर्ग के फाइनल में ग्राम पंचायत मीठाखाड़ी ने ग्राम पंचायत गुप्तापाड़ा को 25–20 एवं 25–19 के सेट स्कोर से पराजित कर चैम्पियनशिप अपने नाम की। ग्राम पंचायत गुप्तापाड़ा की टीम उप विजेता रही। महिला वर्ग के फाइनल में वॉलीगर्ल्स ने स्टॉर्म ब्रेकर्स को 15–07 एवं 15–03 के सेट स्कोर से पराजित कर खिताब जीता। स्टॉर्म ब्रेकर्स उप विजेता रही।

मुख्य अतिथियों ने पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों की विजेता तथा उप विजेता टीमों को चैम्पियनशिप ट्रॉफी एवं पदक प्रदान किए। प्रत्येक वर्ग में विजेता टीम को 12,000 रुपये तथा उप विजेता टीम को 6,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई।

प्रतियोगिता का प्रमुख आकर्षण 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' शपथ समारोह रहा, जिसके अंतर्गत प्रत्येक मैच से पूर्व सभी खिलाड़ियों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। इस पहल ने खेल भावना के साथ स्वस्थ, अनुशासित एवं नशामुक्त समाज का संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन ने युवाओं एवं समुदाय को खेलों के माध्यम से एक मंच पर लाने के साथ–साथ मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने का सार्थक अवसर प्रदान किया। इस आयोजन ने अनुशासन, टीम भावना, शारीरिक तंदुरुस्ती, खेल भावना एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करते हुए 'नशा से मुक्ति' के संकल्प को और मजबूत किया।

खेल एवं युवा कार्य निदेशालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ज़िला प्रशासन ने डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम वॉलीबॉल प्रतियोगिता–2026 के सफल आयोजन में सहयोग देने वाली सभी प्रतिभागी टीमों, अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों, सहयोगी विभागों एवं आमजन के प्रति आभार व्यक्त किया।

हज–2027 के लिए प्रशिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन अर्जी मांगे गए

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त

मुंबई स्थित भारतीय हज समिति ने हज–2027 के लिए प्रशिक्षकों के चयन हेतु पात्र व्यक्तियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आवेदक हज समिति भारत की वेबसाइट **https://hajcommittee.gov.in** पर जाकर ऑनलाइन आवेदन पत्र भर सकते हैं। महत्वपूर्ण विवरणों में ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि 11 अगस्त, 2026 है, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 23 अगस्त, 2026 है। इस कार्यालय द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

प्रशिक्षकों के चयन के मानदंड तथा उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व इस प्रकार हैं–

क) न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट/12वीं उत्तीर्ण अथवा समकक्ष हो। सूचना प्रौद्योगिकी का अच्छा ज्ञान रखने वाले स्नातकों को वरीयता दी जाएगी।

ख) ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि के अनुसार आवेदक की आयु 25 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

ग) आवेदक ने हज यात्रा की हो (अधिमानतः पिछले पाँच वर्षों के भीतर)।

घ) अंग्रेज़ी, उर्दू, हिन्दी अथवा स्थानीय भाषा में दक्षता हो।

ङ) शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो, कंप्यूटर का ज्ञान रखता हो तथा हज सुविधा ऐप का उपयोग करने में दक्ष हो।

च) हज की रस्मों एवं व्यवस्थाओं का पर्याप्त ज्ञान हो तथा बड़े समूहों को संबोधित करने की क्षमता रखता हो।

छ) आवेदक के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं होना चाहिए।

राज्य बाल संरक्षण समिति ने आयोजित की बाल संरक्षण जागरूकता प्रतियोगिता

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत राज्य बाल संरक्षण समिति (एससीपीएस) द्वारा दक्षिण अण्डमान की फरारगंज तहसील के माइल तिलक गांव स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में बाल अधिकारों, बाल संरक्षण तथा शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से बाल संरक्षण जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा ''बाल श्रम को कहें ना'', ''हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार'' तथा ''बच्चे हमारा भविष्य हैं'' विषयों पर आधारित रचनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों के लिए अपनी रचनात्मकता के माध्यम से विचार व्यक्त करने का एक प्रभावी मंच साबित हुई तथा इसके माध्यम से सकारात्मक अभिभावकत्व और बच्चों की सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा मिला।

सभा को संबोधित करते हुए राज्य बाल संरक्षण समिति की कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को दुर्व्यवहार, शोषण, उपेक्षा एवं हिंसा से मुक्त सुरक्षित, संरक्षित और स्नेहपूर्ण वातावरण में जीवन जीने का मौलिक अधिकार है। उन्होंने समुदाय से सतर्क रहने तथा बाल उत्पीड़न, बाल श्रम, बाल विवाह अथवा बच्चों की उपेक्षा से संबंधित किसी भी मामले की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों अथवा चाइल्डलाइन 1098 पर देने का आग्रह किया, ताकि देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

बी.एड. प्रवेश आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त तक बढ़ी

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

बी.एड. पाठ्यक्रम (2026–2028) में प्रवेश संबंधी अधिसूचना के क्रम में सभी इच्छुक अभ्यर्थियों को सूचित किया गया है कि बी.एड. आवेदन–पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 9 अगस्त, 2026 से बढ़ाकर 12 अगस्त, 2026 कर दी गई है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) से प्राप्त अनुरोध के मद्देनज़र यह अवधि बढ़ाई गई है, क्योंकि कुछ स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के परिणामों की घोषणा तथा पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा अनंतिम प्रमाण–पत्र जारी किया जाना अभी शेष है। यह विस्तार सभी पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से दिया गया है। प्रवेश अधिसूचना की अन्य सभी शर्तें एवं नियम पूर्ववत लागू रहेंगे।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवश्यक दस्तावेज़ों सहित विधिवत भरे हुए आवेदन–पत्र 12 अगस्त, 2026 तक अथवा उससे पूर्व जमा कर दें।

राजकीय पॉलिटेक्निक, डिगलीपुर में अतिथि व्याख्याता एवं अंशकालिक प्रशिक्षक की भर्ती हेतु साक्षात्कार 13 अगस्त को

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त।

शैक्षणिक सत्र 2026–27 (विषम सेमेस्टर) के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक, डिगलीपुर, उत्तर अण्डमान में संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों हेतु अतिथि व्याख्याता एवं अंशकालिक प्रशिक्षक की भर्ती के लिए साक्षात्कार (डेमो, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक) 13 अगस्त, 2026 को आयोजित किया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता, साक्षात्कार कार्यक्रम तथा डेमो विषयों का विवरण संस्थान की वेबसाइट **https://dbrait.andamannicobar.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में पात्र अभ्यर्थियों को सूचित किया गया है कि वे अपना जीवन–वृत्त (बायोडाटा) शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण, अनुभव आदि के स्वप्रमाणित प्रतियों सहित 'डीब्राइट' के शैक्षणिक प्रकोष्ठ में प्रस्तुत करें। अभ्यर्थियों को बायोडाटा जमा करते समय सत्यापन के लिए अपने सभी मूल दस्तावेज़ भी साथ लाने होंगे। किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक 'डीब्राइट' एवं राजकीय पॉलिटेक्निक, डिगलीपुर के शैक्षणिक प्रकोष्ठ से अथवा दूरभाष संख्या 03192–210955 पर संपर्क कर सकते हैं।

कपंगा और कमोर्टा में सीडब्ल्यूएसएन के लिए पहचान एवं मूल्यांकन शिविर 12 व 13 अगस्त को

ननकौड़ी, 7 अगस्त।

समग्र शिक्षा के समावेशी शिक्षा घटक के अंतर्गत, खंड परियोजना कार्यालय (बीपीओ), ननकौड़ी द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की शीघ्र पहचान, व्यापक मूल्यांकन, दिव्यांगता प्रमाणन तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सहायता सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पहचान एवं मूल्यांकन शिविर आयोजित किया जाएगा।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह शिविर 12 अगस्त को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस), कपंगा तथा 13 अगस्त को राजकीय मॉडल माध्यमिक विद्यालय (जीएमएसएस), कमोर्टा में आयोजित होगा। मूल्यांकन चिकित्सा विशेषज्ञों, पुनर्वास विशेषज्ञों, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक मूल्यांकन विशेषज्ञों तथा अलिम्को के प्रतिनिधियों सहित एक बहु–विषयक दल द्वारा किया जाएगा।

'अनिम्स' में विश्व स्तनपान सप्ताह–2026

पृष्ठ 1 का शेष

से सुरक्षा प्रदान करने, उनके समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देने तथा मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही यह पर्यावरणीय सततता एवं समाज के समग्र कल्याण में भी उल्लेखनीय योगदान देता है। कार्यक्रम में इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना स्वास्थ्यकर्मियों, परिवारों एवं समुदायों की साझा ज़िम्मेदारी है। इस वर्ष की थीम के संदेश को दोहराते हुए 'अनिम्स' ने सभी हितधारकों से "जीवन की सतत एवं सुदृढ़ शुरुआत के लिए स्तनपान : जो प्रभावी है उसे और सशक्त बनाएं" के संकल्प के साथ प्रत्येक बच्चे को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बिड़नाबाद स्कूल में कुत्ते के काटने की रोकथाम पर जागरूकता लाई गई

श्री विजय पुरम, 7 अगस्त

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा पशु औषधालय, रंगाचांग, दक्षिण अण्डमान के माध्यम से 4 अगस्त, 2026 को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बिड़नाबाद में कुत्ते के काटने की रोकथाम एवं आवारा कुत्तों के प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को आवारा कुत्तों के आसपास सुरक्षित व्यवहार, कुत्तों के काटने की घटनाओं की रोकथाम तथा आवारा कुत्तों के प्रबंधन में समुदाय की ज़िम्मेदार भागीदारी के महत्व के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में कुल 39 विद्यार्थियों, 8 शिक्षकों तथा 2 अभिभावकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कुत्तों के व्यवहार एवं चेतावनी संकेतों को समझने, आवारा कुत्तों का सामना करते समय अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं बचने योग्य बातों तथा कुत्ते के काटने की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकारी दी गई। विशेष रूप से कुत्तों को उकसाने से बचने, अपरिचित पशुओं से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, घाव को कम से कम 15 मिनट तक साबुन एवं बहते पानी से अच्छी तरह धोने, तुरंत बड़ों को सूचना देने तथा बिना विलंब चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करने के साथ–साथ रेबीज–रोधी टीका (एआरवी) लगवाने के महत्व पर बल दिया गया। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह सत्र संवादात्मक रहा तथा प्रतिभागियों ने प्रासंगिक प्रश्न पूछकर सक्रिय सहभागिता की। विद्यार्थियों ने व्यावहारिक सुरक्षा उपायों एवं प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी सीखने में गहरी रुचि दिखाई। कार्यक्रम में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए पशुओं के प्रति करुणा का भाव रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। विभाग द्वीपों के विभिन्न विद्यालयों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित कर रहा है, ताकि युवा विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय के बीच जनस्वास्थ्य, पशुओं के प्रति ज़िम्मेदार व्यवहार तथा कुत्तों के काटने एवं रेबीज की प्रभावी रोकथाम को बढ़ावा दिया जा सके।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्याः क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/एमजी/2026–27/79

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान, पंचायत समिति द्वारा हट बे स्थित पंचायत समिति गेस्ट हाउस की री इलेक्ट्रिकल वायरिंग और एयर कंडीशन (एसी) यूनिट की मरम्मत व रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 6,24,857/–, धरोहर राशि : रु. 12,497/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 13/08/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24039_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, हट बे, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर/2026–27/87

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान, पंचायत समिति द्वारा वी. के. पुर 01 में मुख्य सड़क से श्री. जयंतो धाली की ज़मीन तक ब्लैक टॉप रोड का निर्माण कार्य (संशोधित अनुमान)।

अनुमानित लागत : रु. 38,09,967/–, धरोहर राशि : रु. 76,199/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 13/08/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24063_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

नीलामी सूचना

1 (ए एंड एन) इंडेप इन्फ कंपनी एनसीसी, पोर्ट ब्लेयर

1 (ए एंड एन) इंडिपेंडेंट इन्फेंट्री कंपनी एनसीसी, श्री विजय पुरम के पास मौजूद अनुपयोगी और स्क्रैप वस्तुओं की नीलामी 17 अगस्त 2026 को सुबह 10:00 बजे 1 (ए एंड एन) इंडिपेंडेंट इन्फेंट्री कंपनी एनसीसी, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम के कार्यालय परिसर में यथास्थिति के आधार पर की जाएगी।

इच्छुक व्यक्ति 17 अगस्त 2026 को सुबह 10:00 बजे वस्तुओं का प्रत्यक्ष अवलोकन/निरीक्षण कर सकते हैं। उच्चतम बोली लगाने वाले को नीलामी राशि का भुगतान मौके पर ही करना होगा और सामग्री को उसी दिन अपने श्रम और वाहन का उपयोग करके हटाना होगा। यदि पूरा (100%) भुगतान मौके पर नहीं किया जाता है, तो इकाई के पास पुनः नीलामी करने/दूसरे उच्चतम बोली लगाने वाले को देने का अधिकार सुरक्षित है, बशर्ते वह 100% भुगतान मौके पर ही करे। नीलामी समाप्त होने के बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

पीठासीन अधिकारी
कमांडिंग ऑफिसर,
इंडिपेंडेंट इन्फेंट्री कंपनी एनसीसी,
जेजी–3, टाइप 5, जंगलीघाट,
श्री विजय पुरम, 744103

Andaman & Nicobar Administration
Directorate of Animal Husbandry & Veterinary Services
Haddo, Sri Vijaya Puram,
Andaman and Nicobar Islands 744102
Website:- https://ahvs.andamannicobar.gov.in Email:-dirahvsandaman@gmail.com

Invitation for Expression of Interest (EOI)

M-17014(11)/7/2026-SAO-AHVS_AN/ Sri Vijaya Puram, dated 06/08/2026

The Andaman & Nicobar Administration, through the Directorate of Animal Husbandry & Veterinary Services (DAH&VS), invites IRDAI registered Insurance Companies / Empanelled Service Providers to submit Expressions of Interest (EOI) for providing Livestock Insurance Services under the National Livestock Mission (NLM) scheme for the financial year 2026-27.

Eligibility: Only IRDAI licensed insurance companies/firms with valid registration and proven experience in livestock/agriculture insurance will be considered.

Key Details of Livestock Insurance:
" Animals to be Insured: 2,942 animals
Category-wise Details:

Category	Animals to be Insured	Unit Value (₹)	Premium Rate	Premium per Animal (₹)
Milch Cattle	130	30,000	5.5%	1,650
Milch Buffalo	12	40,000	5.5%	2,200
Goat & Pig	2800	3,000	5.5%	165
Total	**2942**			

Note:-
Valuations are tentative/indicative. Insurance Companies may offer lower valuations with suitable contribution.
Premium sharing pattern: 85% Central Share + 15% Beneficiary Share (as per NLM guidelines).
Scope of work includes policy issuance, premium collection, claim processing & settlement, farmer awareness programmes, etc.
The detailed guidelines containing terms & conditions, scope of work, eligibility criteria, targets and other details can be downloaded from the link:https://nlm.udyamimitra.in/Default/ViewFile/?id=NLMGuidelinesComprehensive.pdf&path=MiscFiles
Submission of EOI:
Interested companies may submit their Expression of Interest in sealed cover addressed to the Director, Animal Husbandry & Veterinary Services, Haddo, Sri Vijaya Puram or via email to edpcellahvs@gmail.com.
Key Details:
Last date for Submission of EOI: 15/08/2026 till 5:00 P.M.
For further information and clarifications, please contact:
Senior veterinary Officer (AH), DAH&VS
Phone: 03192 232612
Email: edpcellahvs@gmail.com

Director (AH&VS)

शपथ पत्र

मैं, नीतिन बॉबी, पुत्री स्वर्गीय सूरज लाल, निवासी बाथू बस्ती ग्राम, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, सत्यनिष्ठापूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित कथन करती हूँ :

1. कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ।
2. कि मेरी दसवीं की अंकतालिका तथा जन्म प्रमाण–पत्र में मेरा नाम त्रुटिवश "नेटेन भोबी" अंकित हो गया है, जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा अन्य सभी दस्तावेज़ों में मेरा सही नाम "नीतिन बॉबी" अंकित है।
3. कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम "नीतिन बॉबी" है।
4. कि "नेटेन भोबी" तथा "नीतिन बॉबी" दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं तथा इनमें कोई अंतर नहीं है।
5. कि मैं यह शपथ पत्र इस आशय से प्रस्तुत कर रही हूँ कि उपर्युक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

यह शपथ पत्र मेरे सही नाम से पासपोर्ट प्राप्त करने तथा अन्य सभी शासकीय एवं वैधानिक कार्यों के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है।

शपथकर्ता

आयुर्वेद पर्यटन के लिए केरल एक वैश्विक केंद्र के रूप में

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

सरकार ने देश में आयुष–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई है। पर्यटन मंत्रालय ने आयुष मंत्रालय सहित अन्य मंत्रालयों के साथ मिलकर मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप तैयार किया है। आयुष–आधारित इलाज चाहने वाले विदेशी पर्यटकों की सुविधा के लिए, सरकार ने 27 जुलाई 2023 को आयुष वीज़ा की एक अलग श्रेणी शुरू की। आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद और चिकित्सा की अन्य पारंपरिक प्रणालियों में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय के तहत इंडिया टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

अब तक, आयुष मंत्रालय ने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल में भारत की स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से दो मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट आयोजित किए हैं: एक पश्चिमी क्षेत्र के लिए 30.09.2024 को मुंबई में (जिसमें महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, गोवा और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया) और दूसरा दक्षिणी क्षेत्र के लिए 26.05.2025 को चेन्नई में (जिसमें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी जैसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया)।

राज्य में रिसर्च का काम आयुष मंत्रालय की संबंधित रिसर्च काउंसिल के तहत आने वाली यूनिट्स/संस्थानों के ज़रिए किया जाता है।

यूजीसी ने भ्रामक एडटेक और फर्जी विश्वविद्यालयों पर दी चेतावनी

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पाया है कि कुछ एडटेक कंपनियाँ समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और टेलीविजन पर यूजीसी–मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या संस्थानों के सहयोग से ओडीएल और ऑनलाइन माध्यमों में डिग्री व डिप्लोमा कार्यक्रमों के विज्ञापन दे रही हैं। यूजीसी ने सार्वजनिक सूचना जारी कर स्पष्ट किया है कि ऐसी फ्रेंचाइजी व्यवस्था अनुमेय नहीं है और ऐसे किसी कार्यक्रम या डिग्री को यूजीसी की मान्यता प्राप्त नहीं है।

लागू कानूनों, नियमों और विनियमों के तहत दोषी एडटेक कंपनियों तथा उच्चतर शिक्षण संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सभी छात्रों और हितधारकों को सलाह दी गई है कि किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश से पहले यूजीसी (डीईबी) वेबसाइट पर कार्यक्रमों की मान्यता और अधिकार–प्राप्त स्थिति अवश्य जाँच लें। जब किसी अनधिकृत संस्था द्वारा डिग्री कार्यक्रम संचालित करने की शिकायत मिलती है, तो यूजीसी उसे नोटिस देकर सूचित करता है कि वह डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है और स्पष्टीकरण माँगता है। स्पष्टीकरण संतोषजनक न होने पर संस्था का नाम फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल कर दिया जाता है। फरवरी 2026 में प्रकाशित नवीनतम सूची के अनुसार 32 संस्थान फर्जी विश्वविद्यालयों के रूप में चिन्हित हैं यह सूची यूजीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

DISTRICT CHILD PROTECTION UNIT
OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER
NORTH & MIDDLE ANDAMAN DISTRICT, MAYABUNDER

VACANCY NOTICE

F. No. 3-9/DCPU (N&MA)/vacancy/2017/Vol.-I/171 Dated 04 August 2026

Applications are invited from eligible local candidate(s) for the post of Accountant in District Child Protection Unit (DCPU), O/o the Deputy Commissioner, North & Middle Andaman District, Mayabunder purely on contractual basis.

Interested candidate can download the Vacancy Notice from (www.andaman.gov.in) and (https://northmiddle.andaman.nic.in/) and apply for the post directly or through surface mail in the following address:

Surface Mail: DISTRICT CHILD PROTECTION OFFICER
DISTRICT CHILD PROTECTION UNIT
OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER
N & M ANDAMAN DISTRICT, MAYABUNDER
PIN: 744204, PH: 03192-273127

Assistant Commissioner (HQ),
DC's Office, N&M Andaman, Mayabunder

एलवीएम3 ने 6100 किलो का सबसे भारी पेलोड कक्षा में पहुँचाया

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

एलवीएम3–एम6 मिशन ने अमेरिकी एएसटी स्पेस मोबाइल ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक 520 किलोमीटर वृत्ताकार निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित कर दिया है। यह भारत की धरती से एलवीएम3 द्वारा प्रक्षेपित किया गया अब तक का सबसे भारी पेलोड हैकृ6100 किलोग्राम। इस प्रक्षेपण ने भारत की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिससे एलवीएम3 में वाणिज्यिक विश्वास बढ़ा है और यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवा बाजार में पसंदीदा यानों में से एक बन गया है।

सरकार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ावा दे रही है ताकि भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को रणनीतिक और तकनीकी लाभ मिल सकें। अंतरिक्ष विजन 2047 के लक्ष्यों–मानव अंतरिक्ष उड़ान, अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनकृको पूरा करना इन प्रयासों का मुख्य हिस्सा है। प्रक्षेपण क्षमता बढ़ाना, ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क का विस्तार, अंतरिक्ष अवसंरचना और अनुप्रयोग आधार को मजबूत करना, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों और व्यापार मंचों में भारतीय उद्योगों की भागीदारी, बी2बी जुड़ाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने जैसे कदम भी सहयोग रणनीति में शामिल हैं। साझेदार देशों के साथ संवाद तंत्र और संयुक्त नवाचार रोडमैप भी स्थापित किए गए हैं।

इन–स्पेस के माध्यम से सरकार निजी क्षेत्र को प्रक्षेपण यान खंड सहित अंतरिक्ष क्षेत्र में स्वदेशी क्षमता विकसित करने में सक्षम बना रही है। तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम में दूसरे अंतरिक्ष बंदरगाह का विकास प्रक्षेपण अवसंरचना को मजबूत करने और निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। प्रक्षेपण प्रणालियों की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता के लिए कठोर समीक्षा और प्राधिकरण तंत्र, भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से भारतीय अंतरिक्ष मानकों का विकास, तथा स्काईरूट, अग्निकुल और एचएएल को उनके प्रक्षेपण यान तैयार करने में सक्षम बनाना प्रमुख पहलों में हैं।

इन–स्पेस ने निजी उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएँ घोषित की हैं। इनमें भारत की अंतरिक्ष नीति 2023, उदारीकृत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति, गैर–सरकारी संस्थाओं के लिए इसरो सुविधाओं तक रियायती मूल्य पर पहुँच, स्टार्टअप्स के लिए 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड, और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास–व्यावसायीकरण के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रौद्योगिकी अभिकरण कोष शामिल हैं। आईएसआरओ के बुनियादी ढाँचे और विशेषज्ञता तक पहुँच, कौशल विकास, किफायती परीक्षण–सत्यापन सुविधाओं वाला तकनीकी केंद्र, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, पीओईएम प्लेटफॉर्म से मान्यीकरण के अवसर, सैटेलाइट बस एज ए सर्विस पहल, राज्यों में अंतरिक्ष विनिर्माण क्लस्टर, तथा पीपीपी मॉडल के तहत स्वदेशी वाणिज्यिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह समूह भी इस सूची में हैं।

यह जानकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कल राज्यसभा में लिखित उत्तर में दी।

कम–प्रसिद्ध स्मारकों तक पहुँचः एएसआई संरक्षण और पर्यटन प्रचार

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

देश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में 3688 केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारक और स्थल हैं। एएसआई राष्ट्रीय संरक्षण नीति के अनुसार इनका संरक्षण करता है। समय–समय पर स्थिति का आकलन और दैनिक अनुरक्षण आवश्यकता तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुसार नियमित रूप से किया जाता है। इनमें कम–प्रसिद्ध स्मारक भी शामिल हैं।

जहाँ संभव हो, आगंतुकों के लिए मार्ग साइनबोर्ड, पेयजल, शौचालय, बेंच, सांस्कृतिक सूचना बोर्ड और स्थल संग्रहालय जैसी सुविधाएँ विकसित की जाती हैं। एएसआई का तकनीकी स्टॉफ इन स्थलों का नियमित निरीक्षण करता है और स्मारकों की स्थिति, प्राथमिकता तथा आवश्यकता के आधार पर, उपलब्ध संसाधनों के अधीन, संरक्षण, अनुरक्षण और विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें लागू करता है। पिछले पाँच वर्षों में संरक्षण और परिरक्षण के लिए राज्यवार आवंटित और व्यय की गई धनराशि का विवरण अनुलग्नक–I में दिया गया है।

विरासत जागरूकता बढ़ाने के लिए एएसआई विश्व धरोहर दिवस, विश्व धरोहर सप्ताह, संग्रहालय दिवस और अन्य अवसरों पर डिजिटल पहलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, आउटरीच कार्यक्रमों और सूचना प्रसार का सहारा लेता है। छात्रों और विद्वानों को हमारी विशाल सांस्कृतिक विरासत का गहन ज्ञान देने के लिए सेमिनार और कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

पर्यटन मंत्रालय सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन तथा कम–प्रसिद्ध स्थलों सहित देश के पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देता है। यह प्रचार पर्यटन हितधारकों के साथ प्रोत्साहन कार्यक्रमों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के सहयोग से डिजिटल प्रचार और 'इनक्रेडिबल इंडिया' डिजिटल पोर्टल के माध्यम से किया जाता है। 'देखो अपना देश' पहल के तहत भारत पर्यटन कार्यालय क्षेत्रीय स्तर पर हितधारक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित कर इन स्थलों के बारे में जागरूकता और प्रचार बढ़ाते हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह जानकारी कल राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

विश्व एथलेटिक्स अंडर–20 चैंपियनशिप में भारत के मोहम्मद अशफाक ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 07 अगस्त

अमरीका के यूजीन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स अंडर–20 चैंपियनशिप में आज भारत के मोहम्मद अशफाक ने अंडर–20 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस जीत के साथ, अशफाक ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में जगह बना ली। 19 वर्षीय अशफाक ने पहले दौर की हीट 5 में अमरीका के जेडन डी लियोन के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए 45.81 सेकंड का समय लिया और कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों की ऊंची कूद में भारत के बसंत ने 2.14 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल में जगह बनाई और क्वालीफाइंग ग्रुप–ए में पांचवें स्थान पर रहे।

महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में भारत की अमानत कंबोज ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया। उन्होंने अप्रैल में इसी सीजन में बनाए गए अपने ही 46.05 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया।

इतिहास के पन्नों में 08 अगस्तः आज ही के दिन शुरू हुआ था भारत छोड़ो आंदोलन

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)।

इतिहास में 08 अगस्त की तारीख कई महत्वपूर्ण घटनाओं की साक्षी है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अध्याय में यह तारीख विशेष महत्व रखती है, क्योंकि 08 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ 'भारत छोड़ो आंदोलन' का आह्वान किया था।

08 अगस्त 1942 को मुंबई (तत्कालीन बंबई) के ग्वालिया टैंक मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को भारत छोड़ने का संदेश देते हुए करो या मरो का नारा दिया। इस आंदोलन ने देशभर में आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा दी और लाखों भारतीयों ने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में हिस्सा लिया।

ब्रिटिश सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिए गांधी सहित कई प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन जनआंदोलन पूरे देश में जारी रहा और इसने स्वतंत्रता की राह को और मजबूत किया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1509– विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी।

1549– फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1609– वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया।

1864– जिनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना।

1876–थॉमस अल्वा एडिसन ने मिमियोग्राफ का पेटेंट कराया।

1899– ए.टी. मार्शल ने रेफ्रीजरेटर का पेटेंट कराया।

1900– बोस्टन में पहली डेविस कप श्रृंखला की शुरुआत।

1908–राइट ब्रदर्स के विमान का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन।

1919–ब्रिटेन ने अफगानिस्तान की आजादी को मंजूरी दी।

1945 – अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और सोवियत संघ ने लंदन एग्रीमेंट पर साइन किए। दुनियाभर के वॉर क्रिमिनल्स पर ट्रायल चलाने के लिए ये एंग्रीमेंट किया गया था।

1947 – पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय ध्वज को मंजूरी दी।

1963–ग्लासगो से लंदन जा रही रॉयल मेल ट्रेन को हथियारबंद लुटेरों ने लूट लिया। लुटेरों ने 2.6 मिलियन यूरो की राशि लूटी। ब्रिटेन में इसे द ग्रेट ट्रेन रॉबरी कहा जाता है।

1988 – अफगानिस्तान में 9 साल के युद्ध के बाद रूसी सेना की वापसी शुरू हुई.

1988 – आठ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद ईरान और इराक के बीच युद्धविराम की घोषणा।

1990 – इराक के तत्कालीन तानाशाह सद्दाम हुसैन ने कुवैत पर कब्जे का ऐलान किया।

2003 – पन्द्रह छोटे देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में ताइवान की सदस्यता का समर्थन किया।

2004 – जापान ने चीन को पराजित करके एशिया कप फुटबाल जीता।

2008–चीन के बीजिंग में ओलिंपिक खेलों की शुरुआत हुई।

2010–तेजस्विनी सावंत म्युनिख में आयोजित विश्व निशानेबाजी प्रतियोगिता की 50 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला बनीं।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, खाड़ी क्षेत्र में 24 घंटे हेल्पलाइन सक्रिय

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नाविकों और भारतीय ध्वज वाले जहाजों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारतीय मिशन स्थानीय अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों के समन्वय से लगातार काम कर रहे हैं। इसके लिए 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन भी सक्रिय है, ताकि जरूरत पड़ने पर नाविकों समेत अन्य भारतीयों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता श्री रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि सरकार जहाजों और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। खाड़ी क्षेत्र में स्थित भारतीय मिशन लगातार शिपिंग मंत्रालय, संबंधित देशों के समुद्री प्राधिकरणों और अन्य अधिकारियों के संपर्क में हैं।

जायसवाल ने कहा कि इस समन्वय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय नाविकों या भारतीय ध्वज वाले जहाजों को किसी भी तरह की सहायता की जरूरत पड़ने पर उन्हें तत्काल मदद मिल सके। भारतीय मिशन इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय मिशनों ने 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन भी शुरू कर रखी है। यह सुविधा केवल नाविकों तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य

भारतीय नागरिक भी जरूरत पड़ने पर इन हेल्पलाइनों के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये सेवाएं पिछले कई महीनों से लगातार संचालित हो रही हैं और आगे भी जारी रहेंगी।

जायसवाल ने कहा कि भारत शिपिंग मंत्रालय और पश्चिम एशिया तथा खाड़ी क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित और निर्बाध आवागमन तथा व्यापार के सुचारु संचालन की लगातार वकालत करता रहा है।

विदेश मंत्रालय ने सभी पक्षों से आम नागरिकों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाने से बचने की अपील की है। जायसवाल ने विशेष रूप से वाणिज्यिक जहाजों और उनमें काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। (इनपुटः आईएएनएस)

'हर घर तिरंगा 2026' अभियान देशभर में 9 से 17 अगस्त तक चलाया जाएगा

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में राष्ट्रव्यापी 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान का शुभारंभ किया, जो 9 से 17 अगस्त 2026 तक पूरे देश में चलाया जाएगा। यह अभियान, जो भारत के सबसे बड़े जनभागीदारी आंदोलनों में से एक बन चुका है, नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज को गर्व से फहराने और देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना का जश्न मनाने वाली विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करता है।

कल गुरुवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 2022 में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान एक वार्षिक राष्ट्रीय परंपरा बन गया है, जिसमें करोड़ों नागरिक हर स्वतंत्रता दिवस पर स्वेच्छा से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि 'हर घर तिरंगा' अब केवल ध्वजारोहण अभियान से कहीं अधिक व्यापक हो गया है और सामुदायिक भागीदारी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विरासत संबंधी गतिविधियों और डिजिटल सहभागिता से प्रेरित एक राष्ट्रव्यापी उत्सव में तब्दील हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि हर घर तिरंगा आज एक सच्चा जन आंदोलन बन गया है, जिसे पूरे देश में अपार उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक राष्ट्रीय ध्वज से कहीं अधिक हैय यह भारत की एकता, गौरव और सामूहिक राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा उन अनगिनत वीर पुरुषों और महिलाओं के साहस और बलिदान का प्रतीक है जिन्होंने देश की रक्षा की और इसकी सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी। शेखावत ने इस बात पर जोर दिया कि तिरंगा समाज के क्षेत्र या वर्ग की परवाह किए बिना हर भारतीय को प्रेरित करता है और कहा कि यह अभियान नागरिकों को 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष का हर घर तिरंगा अभियान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के साथ मनाया जा रहा है, जिससे उत्सव और भी अधिक सार्थक हो जाता है और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी को प्रेरित करता है।

प्रज्ञानानंद ने जीता ग्रैंड शतरंज टूर सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब

सेंट लुइस, 07 अगस्त (हि.स.)।

भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब एक दौर शेष रहते अपने नाम कर लिया। 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने गुरुवार को अंतिम से पहले दौर में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ ड्रॉ खेलकर खिताब पर कब्जा जमाया।

प्रज्ञानानंद ने पूरे पांच दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान बढ़त बनाए रखा। सिंदारोव ने अंत तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में वह 1.5 अंकों से पीछे रह गए। खिताब जीतने के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा, जब आप स्कोर देखते हैं तो सब कुछ आसान और सहज लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा बिल्कुल नहीं था। यह टूर्नामेंट बेहद कठिन और रोमांचक रहा। मैं जावोखिर को श्रेय देना चाहूंगा, उन्होंने आखिरी तक शानदार संघर्ष किया।

इस खिताबी जीत के साथ प्रज्ञानानंद को 50 हजार अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और 13 जीसीटी अंक मिले। इसके साथ ही वह 2026 ग्रैंड शतरंज टूर सीजन अंकतालिका में अमेरिका के फैबियानो कारुआना के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

वहीं, उपविजेता रहे सिंदारोव ने कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन प्रैग ने वास्तव में बहुत अच्छा खेल दिखाया। कई बार सिर्फ अच्छा खेलना ही काफी नहीं होता, आपको किस्मत का साथ भी चाहिए होता है। अब ग्रैंड शतरंज टूर का समापन सिंकफील्ड कप के साथ होगा, जिसकी शुरुआत 10 अगस्त से होगी। इस प्रतिष्ठित क्लासिकल टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंद सहित सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज में हिस्सा लेने वाले अधिकांश शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकले–केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

नई दिल्ली, 7 अगस्त (आईएएनएस)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को संसद को बताया कि खाड़ी क्षेत्र से 4,052 नाविकों को वापस लाया गया है और 3 अगस्त तक भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सफलतापूर्वक गुजर चुके हैं। इनमें से 23 भारतीय ध्वज वाले और 39 विदेशी ध्वज वाले जहाज थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बदलती समुद्री सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) मध्य पूर्व संघर्ष के बीच भारतीय नाविकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगातार अपनी एडवायजरी अपडेट करता रहता है।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर नए सिरे से हो रहे हमलों के मद्देनजर, नौवहन महानिदेशालय ने पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पोत और बंदरगाह सुविधा सुरक्षा (आईएसपीएस) कोड सुरक्षा उपायों को लागू करना अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही खाड़ी क्षेत्र से गुजरने वाली यात्राओं पर भारतीय नाविकों को तैनात न करने की सलाह दी है।

काला सागर में काम करने वाले भारतीय नाविकों को ले जाने वाले भारतीय और विदेशी ध्वज वाले जहाजों के लिए भी एक डीजीएमए एडवायजरी जारी की गई है, जिसमें अत्यधिक सावधानी बरतने, यात्रा–विशिष्ट सुरक्षा आकलन करने, सुरक्षा एडवायजरी का कड़ाई से पालन करने और घटनाओं की तत्काल रिपोर्ट करने को कहा गया है।

इसके अलावा, बाब–अल–मंडेब स्ट्रेट, दक्षिणी लाल सागर और उससे सटे यमन के पानी में काम करने वाले जहाजों के लिए एक एडवायजरी जारी की गई है, जिसमें जहाज मालिकों और कप्तानों को अत्यधिक सावधानी बरतने, सुरक्षा घटनाक्रमों की निरंतर निगरानी करने और अतिरिक्त जोखिम न्यूनीकरण उपायों को लागू करने का निर्देश दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

इनमें एक समर्पित 24x7 नियंत्रण कक्ष की स्थापना, जहाजों और चालक दल के लाइव डेटाबेस का रखरखाव और जहाजों की आवाजाही, भारतीय नाविकों, घटनाओं और हताहतों की निगरानी के लिए हर 24 घंटे में एक स्थिति रिपोर्ट जारी करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीजीएमए ने त्वरित रिपोर्टिंग और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए समर्पित 24x7 समुद्री दुर्घटना रिपोर्टिंग, संकट प्रबंधन और नाविक शिकायत निवारण मॉड्यूल के साथ एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म भी विकसित किया है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, सरकार प्रभावित नाविकों के परिवारों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखकर कल्याण और सहायता भी प्रदान की जा रही है और मृत्यु के मामलों में मुआवजा दिया जा रहा है। तत्काल सहायता के रूप में नाविक कल्याण कोष सोसायटी के माध्यम से 10,00,000 रुपए जारी करना शामिल है।–आईएएनएस

ड्रग्स–रोधी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एनसीबी ने की भारत–अमेरिका काउंटर नारकोटिक्स वर्किंग ग्रुप की बैठक

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने भारत–अमेरिका काउंटर नारकोटिक्स वर्किंग ग्रुप (सीएनडब्ल्यूजी) के 'प्रथम पिलर' वर्किंग ग्रुप की बैठक की। इस बैठक में भारत और अमेरिका की कई एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

एनसीबी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि हाइब्रिड मोड में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई थी। भारतीय पक्ष से एनसीबी, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन), डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई), सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ), विदेश मंत्रालय (एईए), राजस्व विभाग और रसायन व पेट्रो–रसायन विभाग के प्रतिनिधि शामिल थे।

वहीं, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए), एलईजीएटी, ऑफिस ऑफ नेशनल ड्रग कंट्रोल पॉलिसी (ओएनडीसीपी) और अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी शामिल थे। एनसीबी के अनुसार, चर्चा का मुख्य फोकस परिचालन सहयोग को मजबूत करने,

प्रीकर्सर केमिकल्स के गलत इस्तेमाल को रोकने, नीतिगत समन्वय को बेहतर बनाने और क्षमता निर्माण को आगे बढ़ाने पर था।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "भारत ने प्रीकर्सर रसायनों के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अपने मजबूत प्रीकर्सर नियंत्रण ढांचे तथा नियामक व प्रवर्तन तंत्र को और मजबूत करने के लिए चल रही पहलों पर बात की।" (इनपुट–आईएएनएस)

फर्जी आंकड़े देने वाले आवेदकों पर सख्त औषधि नियम अधिसूचित

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

भारत की औषधि विनियामक प्रणाली की सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन अधिसूचित किया है। यह संशोधन 16 अक्टूबर, 2025 की जीएसआर संख्या 756 (ई) के माध्यम से अधिसूचित हुआ है।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अंतर्गत मौजूदा प्रवर्तन प्रावधानों के अतिरिक्त, इन नव–अधिसूचित प्रावधानों के तहत लाइसेंसिंग प्राधिकरण को यह अधिकार मिला है कि यदि कोई संस्था अपने आवेदन के समर्थन में फर्जी अथवा मनगढ़ंत आंकड़े या दस्तावेज प्रस्तुत करे, तो उसके भविष्य के आवेदन निर्धारित अवधि के लिए स्वीकार न किए जाएं। यह प्रावधान औषधि नियम, 1945 के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दायर सभी प्रकार के आवेदनों पर लागू होगा।

वर्तमान में यदि कोई आवेदक मनगढ़ंत आंकड़े प्रस्तुत करता है, तो आवेदन अस्वीकार करने औरध्अथवा विद्यमान लाइसेंस रद्द करने जैसी कार्रवाई की जाती है। संशोधन के बाद ऐसे आवेदक को निर्धारित अवधि तक संबंधित विनियामक प्राधिकरणकृराज्य अथवा केंद्र, जैसा लागू हो–के समक्ष कोई नया आवेदन प्रस्तुत करने से भी वंचित किया जा सकेगा। ऐसी दंडात्मक कार्रवाई से पहले कारण बताओ नोटिस जारी कर समुचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगाय अपील का भी प्रावधान है।

आवेदकों द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एवं विश्वसनीय आंकड़े औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा तथा

प्रभावकारिता के विनियामक मूल्यांकन का आधार होते हैं। फर्जी या मनगढ़ंत आंकड़े न केवल विनियामक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं, बल्कि औषधियों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं और जन–स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम उत्पन्न कर सकते हैं।

यह संशोधन ऐसे दुराचार को हतोत्साहित करने, आवेदकों की जवाबदेही मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है कि औषधियों की स्वीकृति विश्वसनीय और वैज्ञानिक रूप से मान्य साक्ष्यों पर आधारित हो। यह अधिसूचना वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप भारत के औषधि विनियामक ढांचे को और सुदृढ़ बनाने, अनुपालन करने वाले निर्माताओं व वितरकों को प्रोत्साहित करने तथा कदाचार पर प्रभावी कार्रवाई करने के सरकारी प्रयासों के अनुरूप है, और निगरानी, नैतिक प्रथाओं तथा प्रभावी दंड पर बल देने वाले चल रहे विनियामक सुधारों का पूरक है। जीएसआर का संपूर्ण पाठ ई–राजपत्र पर उपलब्ध है।

आभा आधारित 'स्कैन एंड रजिस्टर' सेवा ने बनाया नया कीर्तिमान, 25 करोड़ डिजिटल ओपीडी रजिस्ट्रेशन पूरे

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)।

देश में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत संचालित 'स्कैन एंड रजिस्टर' सेवा के माध्यम से 25 करोड़ ओपीडी रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा पार कर लिया है। अक्टूबर 2022 में शुरू की गई इस सेवा ने अस्पतालों में ओपीडी पंजीकरण की प्रक्रिया को तेज, सरल और पूरी तरह डिजिटल बनाते हुए करोड़ों मरीजों को राहत पहुंचाई है।

'स्कैन एंड रजिस्टर' सेवा के तहत मरीज अस्पताल में प्रदर्शित विशेष क्यूआर कोड को किसी भी एबीडीएम–सक्षम पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड (पीएचआर) ऐप से स्कैन करते हैं। इसके बाद मरीज की सहमति से उसकी आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) प्रोफाइल अस्पताल के साथ सुरक्षित रूप से साझा हो जाती है और बिना किसी कागजी प्रक्रिया या लंबी कतार में लगे तत्काल ओपीडी रजिस्ट्रेशन हो जाता है। इससे अस्पतालों में पंजीकरण काउंटरों पर भीड़ कम होने के साथ स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता में भी सुधार आया है।

वर्तमान में यह सेवा देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 756 जिलों में स्थित 30,800 स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध है। इनमें 24,323 सरकारी तथा 6,481 निजी स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं। इनमें एम्स, केंद्रीय और राज्य सरकार के अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, जिला एवं उप–जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ईएसआईसी अस्पताल, रेलवे अस्पताल, ट्रस्ट अस्पताल तथा निजी अस्पताल भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 4 लाख मरीज इस डिजिटल सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं तथा नियमित रूप से अस्पताल जाने वाले मरीजों के लिए यह सेवा विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रही है क्योंकि इससे पंजीकरण

में लगने वाला समय काफी कम हो गया है।

राज्यों में बिहार ने सबसे अधिक 7.30 करोड़ से अधिक डिजिटल ओपीडी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 4.09 करोड़, आंध्र प्रदेश में 3.38 करोड़ तथा जम्मू–कश्मीर में 1.39 करोड़ रजिस्ट्रेशन हुए हैं। यह आंकड़े विभिन्न राज्यों में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के तेजी से बढ़ते उपयोग को दर्शाते हैं।

सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली ने सर्वाधिक 54.29 लाख डिजिटल ओपीडी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए हैं। इसके बाद एम्स भोपाल (29.10 लाख), एम्स भुवनेश्वर (23.93 लाख), एम्स पटना (19.62 लाख) और एम्स रायपुर (18.63 लाख) का स्थान है।

इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा कि 25 करोड़ डिजिटल ओपीडी रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा यह दर्शाता है कि नागरिकों और स्वास्थ्य संस्थानों का भारत के डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र पर विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि ओपीडी पंजीकरण जैसी सामान्य प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाकर मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है, वहीं स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यकुशलता भी बढ़ी है। उनके अनुसार, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन देश में एक सुरक्षित, परस्पर जुड़ा (इंटरऑपरेबल) और नागरिक–केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भारत अगले वर्ष पहले ग्लोबल साउथ फिल्म महोत्सव की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 07 अगस्त।

भारत अगले वर्ष पहले ग्लोबल साउथ फिल्म महोत्सव की मेजबानी करेगा। आज मुंबई में ब्रिक्स वेव्स बाजार के दौरान इसकी घोषणा की गई। फिल्म और मनोरंजन क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से कई समझौतों की भी घोषणा हुई। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम–एनएफडीसी और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार सहित कई संस्थानों ने ब्राजील, रूस और वियतनाम जैसे देशों के सहयोगी संस्थानों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। सहभागी संगठनों ने फिल्म सह–निर्माण के अवसरों का पता लगाने पर भी सहमति व्यक्त की।

दो दिवसीय वेव्स ब्रिक्स बाजार आज शाम समाप्त हो रहा है। एनएफडीसी के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदुम ने कहा कि ब्रिक्स वेव्स बाजार में 20 सदस्य और सहयोगी

देशों के 900 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। इस दौरान लगभग 250 बैठकें आयोजित की गईं। ब्रिक्स वेव्स बाजार ने सरकारी एजेंसियों, मनोरंजन उद्योग के पेशेवरों, निवेशकों और कंटेंट निर्माताओं को विचारों का आदान–प्रदान करने और सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।